

وَمَا أُبْرِئُ نَفْسِي إِنَّ النَّفْسَ لَأَمَّارَةٌ بِالسُّوءِ إِلَّا مَا رَحِمَ رَبِّي ۚ

ku	Tuhan (Dia)	memberi	rahmat	apa	kecuali	kejahatan	dengan	terbiasa	benar-benar	nafsu	sesungguhnya	ku	diri	(aku)	membebaskan	tidak	dan
----	-------------	---------	--------	-----	---------	-----------	--------	----------	-------------	-------	--------------	----	------	-------	-------------	-------	-----

إِنَّ رَبِّي غَفُورٌ رَحِيمٌ ۝ قَالَ أَلَمْ لِكُ أَتُّوْنِي بِهِ ۚ أَسْتَخْلِصْهُ

nya	(aku)	memilih	nya	dengan	ku	bawalah	raja	(dia)	berkata	dan	53	Maha	Penyayang	Maha	Pengampun	ku	Tuhan	sesungguhnya
-----	-------	---------	-----	--------	----	---------	------	-------	---------	-----	----	------	-----------	------	-----------	----	-------	--------------

لِنَفْسِي ۖ فَلَمَّا كَلَّمَهُ قَالَ إِذْ لَكَ الْيَوْمَ لَدَيْنَا مَكِينٌ ۚ أَمِينٌ ۝

54	yang	terpercaya	yang	mempunyai	kedudukan	kami	di	sisi	hari	engkau	sungguh	(dia)	berkata	nya	(dia)	bercakap-cakap	dengan	ketika	maka	ku	diri	untuk
----	------	------------	------	-----------	-----------	------	----	------	------	--------	---------	-------	---------	-----	-------	----------------	--------	--------	------	----	------	-------

قَالَ أَجْعَلْ نِي عَلَى خَزَائِنِ الْأَرْضِ ۚ إِنِّي حَفِيظٌ عَلَيْمُ ۝ وَكَذَلِكَ

itu	seperti	dan	55	yang	berpengetahuan	seorang	penjaga	aku	sungguh	negeri	bendaharawan	atas	aku	jadikanlah	(dia)	berkata
-----	---------	-----	----	------	----------------	---------	---------	-----	---------	--------	--------------	------	-----	------------	-------	---------

مَكَّنَّا ۚ يُونُسَ فِي الْأَرْضِ ۚ يَتَّبِعُوا مِنْهَا حَيْثُ يَشَاءُ ۚ نَصِيبُ

(Kami)	melimpahkan	(Dia)	menghendaki	mana	saja	nya	dari	(dia)	pergi	menuju	bumi	di	Yusuf	kepada	Kami	memberi	kedudukan
--------	-------------	-------	-------------	------	------	-----	------	-------	-------	--------	------	----	-------	--------	------	---------	-----------

بِرَحْمَتِنَا مَنْ نَشَاءُ ۚ وَلَا نُضِيعُ أَجْرَ الْمُحْسِنِينَ ۝ وَ لَأَجْرُ

balasan	sungguh	dan	56	orang-orang	yang	berbuat	baik	pahala	(Kami)	menyia-nyiakan	tidak	dan	(Kami)	kehendaki	siapa	Kami	rahmat	dengan
---------	---------	-----	----	-------------	------	---------	------	--------	--------	----------------	-------	-----	--------	-----------	-------	------	--------	--------

الْآخِرَةِ خَيْرٌ لِّلَّذِينَ ءَامَنُوا ۚ وَ كَانُوا يَتَّقُونَ ۝ وَ جَاءَ

mendatangi	dan	57	(mereka)	bertakwa	adalah	dan	(mereka)	beriman	(orang-orang)	yang	bagi	lebih	baik	akhirat
------------	-----	----	----------	----------	--------	-----	----------	---------	---------------	------	------	-------	------	---------

إِخْوَةُ يُونُسَ ۚ فَاذْخُلُوا عَلَيْهِ ۚ وَ عَرَفَ هُمْ وَ هُمْ لَمْ يُعْرِفُوا ۝

58	orang-orang	yang	tidak	mengenal	nya	bagi	mereka	dan	mereka	(dia)	mengenal	maka	nya	atas	(mereka)	masuk	maka	Yusuf	saudara-saudara
----	-------------	------	-------	----------	-----	------	--------	-----	--------	-------	----------	------	-----	------	----------	-------	------	-------	-----------------

وَلَمَّا جَهَّزَهُمْ بِجَهَّازِهِمْ قَالَ أَتُّوْنِي بِهِ ۚ أَخ لَكُمْ مِنْ أَبِيكُمْ ۚ لَا

tidak	apakah	kalian	ayah	dari	kalian	bagi	saudara	dengan	aku	datangkanlah/bawalah	(dia)	berkata	mereka	bekal	dengan	mereka	(dia)	menyiapkan	bekal	ketika	dan
-------	--------	--------	------	------	--------	------	---------	--------	-----	----------------------	-------	---------	--------	-------	--------	--------	-------	------------	-------	--------	-----

تَرَوْنَ أَذِي أَوْفَى الْكَيْلِ وَأَنَا خَيْرُ الْمُنْزِلِينَ ۝ فَإِنْ لَّمْ تَأْتُوا نِي

ku	(kalian)	membawakan	pada	tidak	jika	maka	59	penerima	tamu	sebaik-baik	aku	dan	sukatan	(aku)	menyempurnakan	aku	bahwa	(kalian)	melihat
----	----------	------------	------	-------	------	------	----	----------	------	-------------	-----	-----	---------	-------	----------------	-----	-------	----------	---------

بِهِ ۚ لَا كَيْلَ لَكُمْ عِنْدِي وَلَا تَقْرَبُونِي ۝ قَالُوا سَ نُرَوِّدُ عَذَّ أَبَا هُ

nya	bapak	nya	dari	(kami)	membujuk	akan	(mereka)	berkata	60	ku	(kalian)	mendekati	jangan	dan	ku	di	sisi	kalian	bagi	sukatan	tidak	ada	maka	nya	dengan
-----	-------	-----	------	--------	----------	------	----------	---------	----	----	----------	-----------	--------	-----	----	----	------	--------	------	---------	-------	-----	------	-----	--------

وَ إِنَّا لَفَاعِلُونَ ۝ وَ قَالَ لِي فَتَيْنِي ۚ أَجْعَلُوا بِضَعَتَهُمْ فِي رِحَالِهِمْ

mereka	karung-karung	dalam	mereka	barang-barang	jadikan / masukkan	nya	pemuda-pemuda/pembantu lelaki	kepada	(dia)	berkata	dan	61	orang-orang	yang	melaksanakan	benar-benar	sungguh	kami	dan
--------	---------------	-------	--------	---------------	--------------------	-----	-------------------------------	--------	-------	---------	-----	----	-------------	------	--------------	-------------	---------	------	-----

لَعَدَّ لَهُمْ يَعْرِفُونَ هَآ إِذَا أَنْقَلَبُوا إِلَى أَهْلِهِمْ لَعَدَّ لَهُمْ يَرْجِعُونَ ۝

62	(mereka)	kembali	mereka	mudah-mudahan	mereka	keluarga	kepada	(mereka)	kembali	apabila	nya	(mereka)	mengetahui	mereka	supaya
----	----------	---------	--------	---------------	--------	----------	--------	----------	---------	---------	-----	----------	------------	--------	--------

وَلَمَّا رَجَعُوا إِلَى أَبِيهِمْ قَالُوا يَ أَبَا نَا مُنِعَ مِنَّا الْكَيْلُ

sukatan	dari	kami	(dia)	tercegah	kami	bapak	wahai	(mereka)	berkata	mereka	ayah	kepada	(mereka)	kembali	ketika	maka
---------	------	------	-------	----------	------	-------	-------	----------	---------	--------	------	--------	----------	---------	--------	------

فَاَرْسِلْ مَعَنَا أَخَا نَا نَكْتُلُ ۚ وَ إِنَّا لَمُؤْ لَ حَافِظُونَ ۝

63	orang-orang	yang	menjaga	benar-benar	nya	bagi	sungguh	kami	dan	(kami)	mendapatkan	sukatan	kami	saudara	lelaki	kami	bersama	utuslah	maka
----	-------------	------	---------	-------------	-----	------	---------	------	-----	--------	-------------	---------	------	---------	--------	------	---------	---------	------